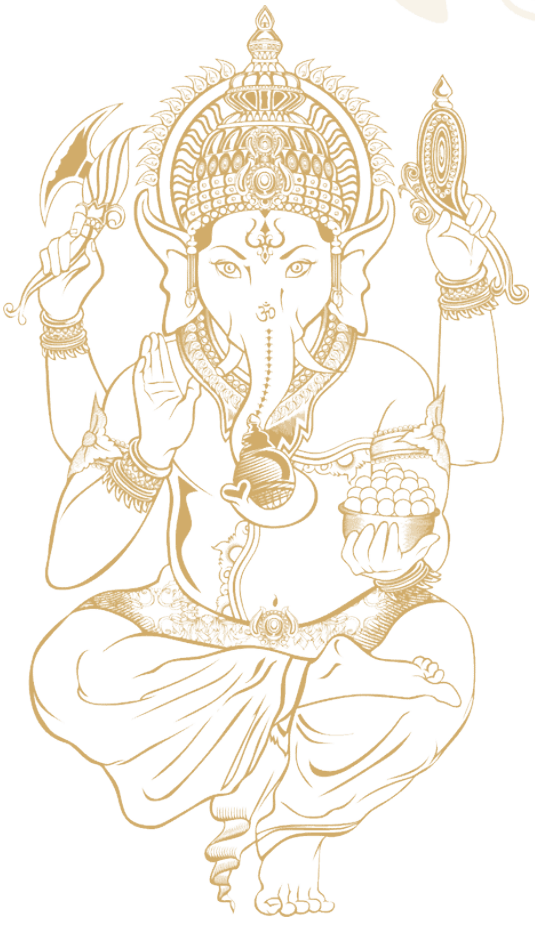

Deepak Singh

Rashmi Singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121915105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/09/1997	जन्म तिथि	23/12/1995
बुध-गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 01:15:00	जन्म समय	18:30:00 घंटे
घटी 47:58:34	जन्म समय(घटी)	28:18:28 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:34	सूर्योदय	07:10:36
18:31:00	सूर्यास्त	17:29:25
23:49:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 1मा 11दि	21:21:16	मिथु	लग्न	मिथु	21:47:16	सूर्य 5वर्ष 4मा 14दि
सूर्य	24:18:14	सिंह	सूर्य	धनु	07:25:00	राहु
23/10/2022	03:35:21	धनु	चंद्र	धनु	28:03:33	08/05/2018
23/10/2028	23:48:15	तुला	मंगल	धनु	23:47:32	08/05/2036
सूर्य 10/02/2023	08:55:10	सिंह	बुध	धनु	23:46:18	राहु 18/01/2021
चन्द्र 11/08/2023	19:28:23	मक व	गुरु	धनु	03:45:04	गुरु 14/06/2023
मंगल 17/12/2023	04:41:43	तुला	शुक्र	मक	08:23:28	शनि 20/04/2026
राहु 10/11/2024	25:13:35	मीन व	शनि	कुंभ	25:04:33	बुध 06/11/2028
गुरु 29/08/2025	25:54:54	सिंह व	राहु व	तुला	00:10:50	केतु 25/11/2029
शनि 11/08/2026	25:54:54	कुंभ व	केतु व	मेष	00:10:50	शुक्र 25/11/2032
बुध 17/06/2027	11:21:49	मक व	हर्ष	मक	05:04:52	सूर्य 19/10/2033
केतु 23/10/2027	03:34:10	मक व	नेप	मक	00:34:09	चन्द्र 20/04/2035
शुक्र 23/10/2028	09:13:42	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:51:18	मंगल 08/05/2036

लग्न-चलित

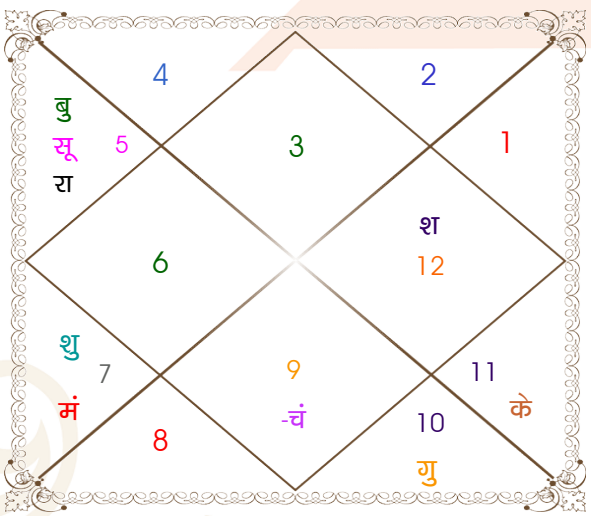

लग्न-चलित

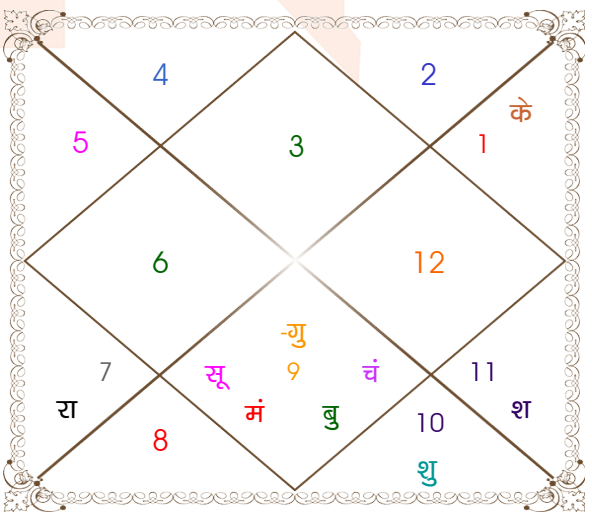

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

क्ममचंौ पदही का वर्ग मृग है तथा तैउपै पदही का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचंौ पदही और तैउपै पदही का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचंौ पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

तैउपै पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र तैउपै पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु क्ममचां पदही कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां पदही तथा तैउपै पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।